GILLETTE के लोग

FERDINANDO FREGA · GILLETTENARRATIVE · GILLETTEVATICANO · 08/17

कभी किसी देवता के बारे में सुना है? वह वैसा ही है, बस रेज़र ब्लेड बेचता है। बेशक, यह मज़ाक़ है।

Gillette का आदमी संत पैदा नहीं होता। वह एक महान संगठन के भीतर पैदा होता है। उससे वह अनुशासन, तरीक़ा, उपभोक्ता के लिए सम्मान, ब्योरों पर ध्यान, और दुनिया को देखने तथा उसके बदलावों को समझने की क्षमता सीखता है। ये सबक़ वह अपनी “माँ Gillette” से सोखता है और उन्हें किसी निजी, स्वतंत्र और गहरे मानवीय चीज़ में बदल देता है।

वह डींग मारे बिना कहानियाँ सुनाता है। वह टोके बिना सुनता है। वह हावी हुए बिना बनाता है। जो दूसरों को अलग-अलग दिखता है, उसे वह जोड़ता है। वह नक़्शे देता है, मंज़िलें नहीं।

इसीलिए आप उसे उस लोगो से नहीं पहचानते जो वह लिए फिरता है। आप उसे इससे पहचानते हैं कि वह दुनिया को कैसे देखता है।

और जब आप उससे मिलते हैं, तो उसे भूलना मुश्किल होता है। उस ख़ुशबू की तरह जो आप रोज़ लगाते हैं। उस ब्लेड की तरह जिसे आप पहली ही फेर में पहचान लेते हैं। उस कहानी की तरह जो आपके भीतर जीती रहती है।

Gillette की औरत उसी स्कूल से नहीं निकली। उसमें आदमी जैसी विशेषताएँ नहीं हैं। वह ज़्यादा सक्षम है। क्योंकि वह एक नहीं, तीन बुद्धियों से जीती है। तार्किक और विवेकपूर्ण वाली। भावनात्मक और स्नेहिल वाली। सहज बोध वाली। तीन। एक पूर्ण संख्या।

और सोचिए कि जब वह हमें दुनिया में लाती है, तो वह उस X कारक का एक हिस्सा हमें सौंपती है जो हमें उससे थोड़ा और मिलता-जुलता बना देता है। पर अक्सर Y कारक बाक़ी कारकों के साथ सही सामंजस्य नहीं बैठा पाता। और जो शुद्ध जन्मता है, वह अपनी तीव्रता खो देता है।

Gillette की औरत ताक़त को जानती है, बिना उसे दिखाने की ज़रूरत के। वह नाज़ुकपन को जानती है, बिना उस पर शर्मिंदा हुए। वह पढ़ सकती है कि क्या कहा जा रहा है। और क्या अनकहा रह गया है।

वह उन ब्योरों को ताड़ लेती है जो दूसरों से छूट जाते हैं। वह विचारों को जोड़ने से पहले लोगों को जोड़ती है। वह पुल बनाती है, जबकि दूसरे इस पर बहस करते रहते हैं कि सरहदें कहाँ रखी जाएँ।

इसीलिए आप उसे उस ओहदे से नहीं पहचानते जो उसके पास है। आप उसे उस निशान से पहचानते हैं जो वह पीछे छोड़ जाती है। चुपचाप। गहरा। टिकाऊ। सबसे अच्छी कहानियों की तरह।

और शायद इसलिए भी कि हर आईना हर औरत के भीतर के पिता को दिखाता है।

वह नक़्शे देता है। वह निशान छोड़ जाती है। दोनों में से कोई भी उस चीज़ से नहीं पहचाना जाता जो वे लिए चलते हैं। दोनों उस चीज़ से पहचाने जाते हैं जो उनके कमरे से चले जाने के बाद वहाँ रह जाती है।

एक शब्द में:

Ferdinando